ANNUAL REPORT

(2020–21)

CHILD CONCERN, RANCHI

चाईल्ड कन्सर्न, राँची

CHILD CONCERN
RANCHI

वार्षिक रिर्पोट–2020–21

''चाईल्ड कन्सर्न'' राँची की स्थापना सन् 2000 ई॰ में एक स्वयंसेवी संस्थान के रूप में किया गया है। चाईल्ड कन्सर्न का मुख्य उद्देश्य मंद-बुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी, नेत्रहीन, मुक-बधिर एवं एवं बहुदिव्यांगों के शिक्षण-प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के कार्यों को करना है।

''चाईल्ड कन्सर्न'' (बाल-विकास, मानसिक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान) राँची में मुख्यत: छः विभाग हैं जिसमें मनोचिकित्सा विभाग, मेडिकल सायंस विभाग, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सूचना एवं प्रलेखन, एवं प्रशासन विभाग के अतिरिक्त विशेष शिक्षा केन्द्र तथा परिवार कुटीर है ।

2011 के जनगणना के अनुसार झारखण्ड की कुल अबादी 3.3 करोड़ है। जनसंख्या के कुल आबादी के 3 प्रतिशत दिव्यांग हैं। झारखण्ड में दिव्यांगो के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के लिए पिछले 18 वर्षो से कार्यरत है। अभी तक सैकडों दिव्यांगों का चाईल्ड कन्सर्न, राँची के द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं खेल के माध्यम से पुनर्वास कराया गया है।

सेवाएँ :- सामान्य सेवाएँ

संस्थान बड़े पैमाने पर मानसिक रुप से मंद व्यक्तियों की सेवाओं का प्रबं''चाईल्ड कन्सर्न'' (बाल-विकास, मानसिक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान) राँची से करता है, जिसमें सभी आयुवाले तीव्र व्याधिग्रस्त मानसिक रूप से मंद व्यक्ति सम्मिलित है । मुख्यालय के बाहर अर्थात नगर से दूर रहने वालों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार सेवाएँ प्रदान किया जाता है। मानसिक मंद व्यक्तियों के अतिरिक्त विभिन्न समस्याओं वाले जैसे अपस्मार, स्वलीनता, प्रमस्तिष्क अघात अथवा दिव्यांगों के भी सेवाओं का प्रबंध किया जाता है ।

प्राथमिक प्रवेश के अंतर्गत सेवार्थी को साधारण सेवाओं के लिए निवेदित कर केस इतिहास, मनोवैज्ञानिक, चिकित्सक, विशेष शिक्षा संबंधी खोज के माध्यम से मूल्यांकन जाँच का आयोजन किया जाता है ।

CHILD CONCERN RANCHI

छान-बीन के बाद प्राथमिक परामर्श दिये जाने के वाद जिनको जाँच की आवश्यकता है, विवरणात्मक जाँच व मूल्याकन किया जाता है । इसके बाद विशेषज्ञ मानसिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शिक्षण प्रशिक्षण से संबंधित एवं पुनर्वास की योजना, बनाते हैं । यह योजना क्लिनीकल साईकोलॉजिस्ट, बालचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, विशेष शिक्षक, नैदानिक मनोवैज्ञानिक आदि विशेषज्ञों के दल के जाँच के बाद की जाती है । कुछ ऐसे सेवार्थी है जिन्हें व्यवहार परिवर्तन उपातरण विशेष शिक्षा, भौतिक चिकित्सा, अभिभावक परामर्श आदि सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकती है । इनके अतिरिक्त पूर्व हस्तक्षेप सेवाएँ, भाषण विकृति विज्ञान, परिवारिक कुटीर सेवाएँ व्यावसायिक प्रशिक्षण आदि का विशेष सेवाओं के रूप में प्रबंध किये जाते हैं । मानसिक मंद बच्चे जो बहुल दिव्यांग है उनकी आवश्यकतानुसार विशेष शिक्षा का प्रबंध है अथवा जिस परिवार को जननिक परामर्श की आवश्कता है पृथक सेवा के रूप में सप्ताह में एक बार निर्देश दिया जाता है।

विद्यार्थियों की संख्या :

दिव्यांगता	2019-20
बौद्धिक दिवयांग (ID/MR)	22
ऑटिज्म (Autism)	20
सेरेब्रल पाल्सी (C.P.)	12
बहुदिव्यांग (M.D.)	16

विशेष सेवाएँ :-

विशेष सेवाओं का मुख्य लक्ष्य घरेलु प्रशिक्षण तथा व्यावस्थात्मक योजना का कार्यान्वयन है। मानसिक मंद बच्चों के घरेलू प्रशिक्षण में अभिभावकों का प्रतिपादन एवं प्रस्तुतीकरण प्रबंध योजना से सम्मिलित है । इसके विशेष सेवा निम्न प्रकार है :-

1- मनोवैज्ञानिक परीक्षण सेवा
2. स्पीच थेरैपी सेवा
3. श्रवण जाँच सेवा
4- व्यवहार संशोधन सेवा
5. विशेष शिक्षा सेवा
6. फिजियोथेरैपी सेवा

CHILD CONCERN RANCHI

7- अर्ली इन्टरभेंशन सेवा (प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवा)

8- भोकेशनल ट्रेनिंग

9- मार्गदर्शन और परामर्श सेवा

10-शिक्षण सहायता सेवा

11-खेल प्रशिक्षण सेवा

चिकित्सा सेवाएँ :-

मानसिक मंद व्यक्तियों में जिनका संबंध चिकित्सा से है जैसे अपस्मार, (मिरगी) अतिगतिसंवेदित टाइपर काइनटिक व्यवहार, अपर रेस्पिरेटरी ट्रेकइन्फेक्षन कश उपरी श्वास प्रदेश के संक्रमणों, पोषण आहार समस्यात्मक आदि की दवाईयों की व्यवस्था है तत्संबंधित चिकित्सात्मक सलाह परामर्श दी जायेगी । संस्थान के भीतर बालचिकित्सक विद्यमान है आवश्यकता होने पर सेवार्थियों के लिए बाहरी विशेषज्ञों को रेफर किया जाता है ।

प्रारंभिक उपचार :-

शिशु व बच्चे जिन्हें विकासात्मक जोखिम है, उनके आयु 0-3 वर्षों की है, जोखिम, विकासगति में रुकावट वाले बच्चों के लिए प्रारंभिक उपचार प्रबंध किये गये है जिनकी संख्या साधारण सेवा में देखे जाने वाले सेवार्थियों की कुल संख्या में एक तिहाई होती है । ये सेवाएँ सप्ताह में एक बार बहुल विशेषज्ञों के दल के द्वारा उपलब्ध कराई जाती है । बच्चों को प्रतिरक्षा, कारण, पोषणआहार, दूध पिलाने संवेदनात्मक व गत्यात्मक विकास, वाक व भाषा का विकास एवं मनो-सामाजिक अंतरापेक्षण आदि इसमें सम्मिलित है जिनके बारे में अभिभावकों को मार्गदर्शन भी दिया जाता है ।

विशेष शिक्षा सेवाएँ :-

कार्यक्रम विशेष शिक्षा सेवाओं के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न कौशलों के क्षेत्र जैसे स्वयं सेवा कौशल स्तर मूल्यांकन किया जाता है । साथ ही साथ व्यावहारिक पठन, लेखन कौशल, समय, धन से संबंधित ज्ञानात्मक कौशलों को निर्धारण किया जाता है । इन सभी स्वरों के मूल्याकंन में अभिभावक सम्मिलित होते है । वैयक्तिक शिक्षा संबंधी कार्यक्रम तथा एकीकृत शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया जाता है । इसमें विभिन्न अधिगम सहायक सामग्री तथा उपयुक्त साधनों का भारतीय संदर्भो में उपयोग किया जाता है । इससे विशेष शैक्षिक सेवाओं में

शीघ्रता तथा पुनर्वास के लिए कुछ आवश्यक संदर्भों में कम्प्यूटर सहायक प्रशिक्षण आदि का प्रयोग किया जाता है ।

व्यवहार उपांतरण परिवर्तन सेवाएँ :-

इस सेवा के अंतर्गत ऐसे मानसिक मंद समस्यात्मक व्यवहार वाले बच्चों को लिया जाता है जो अविनम्र, सिर को धाड़ा से मारनवाले, अपने आपको दाँतों से कतरने वाले, अधिक रोनेवाले और अनेक व्यापक विभिन्न प्रकार की समस्याओं के बालक होते हैं । ऐसे व्यवहार वाले बच्चों में प्रभावित करने वाले तत्वों का व कारणों का पता लगाने के लिए उनके इस प्रकार के व्यवहार की तीव्रता तथा अंतरण आदि के विवरणात्मक जाँच करने के बाद उनके व्यवहार का विश्लेषण किया जाता है और अभिभावकों को उपयुक्त आंरभिक उपचार सूचनाएँ दी जाती है जिस समय उन बच्चों में लक्ष्यात्मक व्यवहार देखने को मिलता है इन बच्चों के व्यवहार में उन्नति की स्थिति को बनाए रखने के लिए नियमित अंतरालों में अनुवर्ती कार्य किया जाता है ।

मार्गदर्शन तथा परामर्श की सेवाएँ :-

मानसिक मंद बच्चों के जीवन की विभिन्न दशाओं में अभिभावकों की गलत धारणाओं का सामना करने की अपेक्षा अभिभावकों को आवश्यक परामर्श देकर मानसिक मंदन के स्वरूप तथा उनकी आवश्यकताओं से अवगत कराया जाता है । पारिवारिक जीवन में बच्चों की पैतृक आंकाक्षाओं का पता लगाकर उनके सर्वांगीण विकास के लिए सहायता की जाती है । अभिभावकों के मानसिक मंद बच्चों के साथ उनके समायोजन की सलाह दी जाती है ।

भौतिक चिकित्सा :-

साधारण बच्चों की अपेक्षा मानसिक मंद बच्चों में उठने, बैठने तथा चलने से संबंधित गामक कौशलों का देर से विकास होता है । लगभग 15 प्रतिशत बच्चों में संवेदनात्मक सेरेब्रल पॉल्सी तथा दूसरे प्रकार के दिव्यांगता के लक्षण होते है । विवरणात्मक मूल्यांकन के उपरांत चिकित्सा उपागमों (थिरेप्युटिक व्यायाम) का प्रदर्शन व्यायाम मुद्रा भंगिमाओं को, गतिआदि में सुधार की सलाह दी जाती है और आवश्यकता हाने पर शल्य चिकित्सा के लिए उपयुक्त संस्थाओं को भेजा जाता है । सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित बच्चों के चलने के लिए सहायक यंत्र, उपयंत्र व उपकरण भी अन्य संगठनों को रेफर किया जाता है।

CHILD CONCERN RANCHI

बहुल दिव्यांग ईकाई :-

इस सेवा के अंतर्गत जिन मानसिक दिव्यांग बच्चों में श्रवण दोष, दृष्टि दोष, शारीरिक दिव्यांग, आदि अनेक अतिरिक्त समस्याएँ होती है ऐसे बच्चों की सेवा के लिए विशेष सावधानी इस इकाई में बरती जाती है । बहुल विशेषज्ञों व व्यावसायिकों के दल के द्वारा हुए एक ही जगह में समग्र सेवा उपलब्ध कराई जाती है ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा रोजगार विस्थापन:-

हमारे यहां निम्नांकित व्यावसायिक कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाता है :-

1. टॉयज (खिलोना) : डॉल मेकिंग, लेडीस पर्स, स्वेटर, क्रोशिया वर्क, कपड़े का खिलौना, फ्री हैन्ड पेंटिंग 2. हाथ की कढ़ाई (एपलिक वर्क), 3. मशीन की कढ़ाई, 4. बेबी गारमेन्ट्स, 5. जेन्ट्स गारमेन्ट्स, 6. लेडिज गारमेन्ट्स, 7. पेंटिंग : फैब्रिक पेंटिंग, ऑटाल पेंटिंग, निब पेंटिंग, कोन पेंटिंग, डिकुपेज पर चित्रकारी, शीशा वर्क, 8. टेक्सटाइल डिजाइनिंग : ब्लॉक पेंटिंग, एसप्रे पेंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, 9. पैकिंग डेकोरेशन : गिफ्ट पैकिंग, 10. फ्लावर मेकिंग, फूल का माला गुथना, 11. इन्टेरियल डेकोरेशन : थर्माकॉल वर्क, सैंड वर्क, पेपर वर्क, ग्लास वर्क, मेटल पर नक्काशी, 12. बाईडिंग : बुक बाईंडिंग, पेस्टिंग, कटींग, स्कॉयरल बाईंडिंग, 13. घरेलू उद्योग (मोमबत्ती बनाना, अगरबत्ती बनाना, पापड़, अचार, चिप्स, भुजिया, दालमोट, ड्राइफ्रूट पैकिंग, राखी, पटसन से रस्सी, टिकुली, ठोंगा आदि बनाना), 14. मिट्टी के खिलौने, बर्तन आदि बनाना, लकड़ी से संबंधित कार्य (हार्डबोर्ड पेंटिंग, बांस की कमानी से टोकरी, डलिया आदि बनाना), 15. कम्प्यूटर से टाईप, प्रिंटिंग कार्ड, पोस्टर आदि बनाना, 16. साइकिल रिपेयरिंग, 17. प्लास्टीक तार से कुर्सी आदि बुनना, 18. जिरोक्स मशीन का ऑपरेशन

मनसिक दिव्यांग को सामाजिक वित्तीय पुनर्वास, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा रोजगार मानसिक मंद वयस्कों को प्रारंभ में एक सामान्य प्रशिक्षण देकर नौकरी दिलाई जाती है । अपने बच्चों के लिए लाभदायक रोजगार उत्पादन केन्द्रों को खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है । मानसिक मंद व्यक्तियों के रोजगार स्थान के लिये विभिन्न परिरक्षित रोजगार से स्थाई रोजगार खोलने के लिए अभिभावकों को सलाह दी जाती है । मानसिक मंद व्यक्तियों के रोजगार के लिए जनता में प्रचारात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । इस दिशा में रोजगार सर्वेक्षण आदि नियमित रूप से आयोजित की जा रही है ।

CHILD CONCERN
RANCHI

पारिवारिक कुटीर सेवाएँ :-

यद्यपि संस्थान के द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ घरेलू प्रधान होती है । फिर भी अत्यधिक संख्या में बाहर के अभिभावक कुटीर सेवाओं को चाहते हैं । घरेलू वातावरण में अपने परिवार के सदस्यों के साथ यहाँ एक सप्ताह तक रह सकते हैं । इस अल्पावधि में संस्थान की सभी सेवाओं को प्राप्तकर सकते हैं जैसे कौशल प्रशिक्षण, व्यक्तिगत तथा पारिवारिक परामर्श समस्यात्मक व्यवहारों का संगठन, भाषण तथा भाषा चिकित्सा, चिकित्सा संबंधी सलाह, भौतिक चिकित्सा, मंनोरंजनात्मक क्रियाएँ तथा आवश्यक सहयोग आदि । ये सेवा कुटीर अभिभावकों को अपने दैनिक व्यावहारिक जीवन से दूर रहते हुए अपने बच्चों के साथ समय व्यतीत करने का श्रेष्ठतम अवसर प्रदान करते हैं ।

जन जागरण

''चाईल्ड कन्सर्न'' संस्थान के द्वारा किये जानेवाले कार्यों में मानसिक मंद के बारे में जनता को शिक्षित करना, संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील बनाना ये दोनों जनता में जागरूकता अभिज्ञाता लाने में प्रमुख हैं। ऐसी जनजागरूकता के लिए बेहतर परिस्थितियों का निर्माण तथा सफलतापूर्वक अलग-अलग संस्थाओं द्वारा किये जानेवाले विभिन्न कार्यक्रमों को अमल किया जा रहा है।

प्रदर्शनियां

''चाईल्ड कन्सर्न'' द्वारा पेंटिंग, पोस्टर प्रदर्शनी तथा मानसिक, श्रवण एवं अन्य दिव्यांगों द्वारा बनायी गयी हथकरघा, हस्तशिल्प, हस्तकला एवं चित्रकला का प्रदर्शन बिहार, बंगाल, झारखंड एवं भारत के अन्य राज्यों किया जाता है में तथा साथ ही झारखण्ड के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनियां लगायी जाती है, जिससे लोग दिव्यांगों की क्षमताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।

प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम

''चाईल्ड कन्सर्न'' संस्थान ने अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ सम्मेलन, सेमिनारों तथा कार्यशालाओं के द्वारा प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रमों को संचालित करती है। साथ ही साथ विशेष शिक्षक के लिए डिप्लोमा इन स्पेशल शिक्षा का कोर्स चलाया जाता है।

अल्पावधि पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम में विशेष शिक्षा, नवीन प्रवृतियों, छान-बीन निर्धारण और योजना कार्यक्रम, अध्यापन प्रणाली, मनोवैज्ञानिक पहलू और व्यवहार समस्या, अधिगम बढ़ाने के लिए मूल्यवान एवं हस्तक्षेप चिकित्सात्मक प्रावधियां, जनक और सामुदायों के साथ काम करना आदि के बारे में बताया जाता है।

अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

CHILD CONCERN RANCHI

''चाईल्ड कन्सर्न'' मानसिक दिव्यांग के अभिभावकों के लिए अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिसमें सहभागी जनक एवं भाई-बहनों को इस कार्यक्रम से सुविधा प्राप्त होती है। इन कार्यक्रमों के द्वारा घर में मानसिक मंदन के व्यक्तियों के प्रबंध के सम्बन्ध में अनेक पहलू, माता-पिता के सहयोगी की आवश्यकता तथा अपंग व्यक्तियों के कल्याण के हित में किया जाता है।

2 अप्रैल 2020

2 अप्रैल विश्व ऑटिज्म जनजागरूकताँ दिवस सह वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचाव हेतु सोशल मिडिया के द्वारा जन जागरूकता

चाईल्ड कन्सर्न के तत्वाधान मे 2 अप्रैल 2020 विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस के अवसर पर ऑटिज्म के प्रति जागरूकता एवं चल रहे वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचने के लिए सोशल मिडिया, इंटरनेट, फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सअप आदि के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है यह जानकारी सुगन्ध नारायण प्रसाद ने दिया।विशेष बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना है एवं इसे कैसे कोरोना वायरस से बचाव कराना है हमारे विशेषज्ञों ने सोशल मिडिया के द्वारा बताया । ऐसे बच्चों के साथ व्यक्तिगत भावना जुड़ना बहुत जरूर है। आज के दौरा में ऐसे बच्चों के अभिभावक अपने जिम्मेदारियो को बखूबी नि०भा रहे हैं। साथ ही साथ 2 अप्रैल 2020 विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस अवसर पर नीले रोशनी एवं नीले रंग उपयोग कर ऑटिज्म के प्रति जागरूक करने के लिये प्रेरित किया गया।

पूरे विश्व में 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2007 में दो अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में घोषित किया गया था। इस दिन ऑटिज्म से ऑटिज्म (स्वालिनता) से ग्रसित बच्चों एवं बड़ों के जीवन में सुधार के कदम उठाए जाते हैं साथ ही सार्थक जीवन बिताने में सहायता दी जाती है। नीला रंग ऑटिज्म का प्रतीक माना गया है। ऑटिज्म एक छिपी छिपी बौद्धिक दिव्यांगता है जो बच्चों के प्रारंभ में पता नहीं चलता है लेकिन बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होता है उसमें ऑटिज्म के लक्षण सामने आने लगती है। ऑटिज्म को पहचान कर सही समय पर विशेषज्ञों के सलाह द्वारा उसमें सुधार लाया जा सकता है। ऑटिज्म को पहचानने का सही तरीका है जैसे वह खुद में खोया रहता है, एक ही काम को बार-बार दोहराना, सुन कर अनसुना करना, शब्द पहचानने में दिक्कत, डरना, शांत रहना आदि। ऑटिज्म के बच्चों में स्पीच थैरेपी, ऑकुपेशनल थैरैपी, बिहैवियर एवं रिलेशनशिप थैरेपी, शैक्षणिक थैरेपी एवं विशेषज्ञों के परामर्श से सुधार लाया जा सकता है। ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर सभी जगह नीला रोशनी जलाकर एवं नीला रंग उपयोग कर ऑटिज्म के प्रति जागरूकता फैलाना चाहिए।

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे अपने-आप में खोये रहते हैं और अकेले रहना पसन्द करते हैं। महिलाओं के अपेक्षा पुरुषों में ऑटिज्म के मामले 5 गुणा अधिक है। इसका न तो सही कारण पता है और न ही

CHILD CONCERN RANCHI

दवा पर कुछ थैरैपी से उनको रोजमर्रा के जिंदगी में आनेवाली रूकावट व परेशानी से दूर रखा जा सकता है । ऑटिज्म एक मानसिक विकास संबंधित बीमारी है जिसे पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सकता, लेकिन सही प्रशिक्षण एवं परामर्श से सुधार लाया जा सकता है।

विश्व ऑटिज्म जन-जागरूकता दिवास 2 अप्रैल पर ऑटिज्म के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु पूरे विश्व में नीला रोशनी एवं नीला रंग के वस्त्र का उपयोग कर ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के प्रति समाज के लोगों जागरूक करने के लिए किया जाता है।

13 अप्रैल 2020

ऑनलाइन ड्राइंग एवं पैंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

चाईल्ड कन्सर्न के तत्वाधान में 13 अप्रैल डकर जयन्ति के भीम राव अम्बे ०को बाबा साहेव डॉ 2020) अवसर पर कोरोना वायरसCOVID-19से बचाव एवं रोकथाम के उपाय थीम पर ऑनलाइन ड्राइंग एवं (पैंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन अपराहण2 बजे दिन से किया गया। यह प्रतियोगिता ऑनलाइन जूम एप के माध्यम से किया जायेगा।

इस ऑनलाइन ड्राइंग एवं पैंटिंग प्रतियोगिता में पूरे भारत से वर्ष से उपर के 8 100 से अधिक दिव्यांग (ग लर्नर एवं बहु दिव्यांस्लो ,दृष्टिबाधित ,बधिर-मूक ,सेरेब्रल पाल्सी ,ऑटिज्म ,गबौद्धिक दिव्यां) बच्चेने भाग लेंगे। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कोरोना वायरस से बचाव एवं रोकथाम हेतु बच्चों को जागरूक करना था।

3 मई 2020

ऑनलाइन क्राफ्ट मेकिंग हस्तकला प्रतियोगिता का आयोजन

विशेष बच्चों ने अपने हस्तकला से उकेरी मन की कृतियां

चाईल्ड कन्सर्न एवं स्पर्श के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 3 मई) 2020 रविवार (को दोपहर 12:30 बजे दिन से कोविड 19-बचाव ,रोकथाम एवं जागरूकता थीम पर ऑनलाइन यूनीफाइड क्राफ्ट मेकिंग)हस्तकला (प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम का ऑलाइन संचालन संदीप कुमार (कार्यक्रम समन्वयक) एवं संतोष कुमार सिन्हा (प्रोग्राम मैनेजर) के द्वारा किया गया।

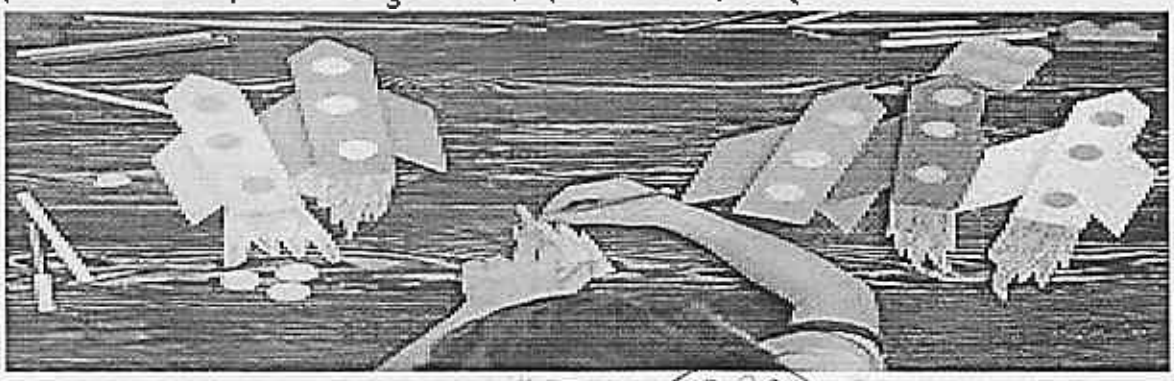

CHILD CONCERN RANCHI

पतंग द्वारा आयोजित ऑनलाइन क्राफ्ट प्रतियोगिता में भारत के लगभग सभी राज्यों से, आँध्रप्रदेश, असम, पंजाब, हरियाणा, केरला, ओडिशा, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, जम्मु कश्मीर, झारखण्ड, दिल्ली, गुजरात, ओडिशा आदि से 205 विशेष (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी, मुक-बधिर, दृष्टिबाधित, स्लो लर्नर एवं बहु दिव्यांग) एवं सामान्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। ऑनलाइन क्राफ्ट प्रतियोगिता की विशेषता ये रही की बच्चों ने मास्क कैसे बनाये उसका कैसे प्रयोग करे इसका विडियो बना बना कर भेजा था कुछ बच्चों ने फ्लावर बास, फ्रेम , गमला , वाटर कलर से बनी पेंटिंग्स, हैण्ड बग्स , मिट्टी का बर्तन, अपशिष्ट का पुन: उपयोग आदि जैसी वस्तुओं को सरलता से बनाकर अपना विडियो बना कर भेजा था, सभी क्राफ्ट्स एक से बढ़कर एक था निर्णायकों ने वर्चुअल मीटिंग के द्वारा सभी कलाकृतियों को बहोत सराहा, एवं सभी बच्चों को बहोत ही प्रतिभाशाली बताया। सभी प्रतिभागी अपने अपने घरों से ऑनलाइन विडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया ।

जजेज ने बताया कि बच्चों की कृतियों को जज करना बहुत कठिन था सभी बच्चों का बहुत ही सुन्दर था। इनको जितनी सराहना की जाये बहुत कम है।

27 जून 2020

140वीं हेलेन केलर जयंती के अवसर पर बौद्धिक दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए जन-जागरूकता वेबिनार कार्यशाला का आयोजन

चाईल्ड कन्सर्न रांची के तत्वाधान में दिनांक 27 जून 2020 को 140वीं हेलेन केलर की जयंती के अवसर पर जो कि एक दिव्यांग महिला थी पूरे वर्ल्ड मे पहली दिव्यांग ग्रैजूएट थी उसी अवसर पर अप० 3 बजे से ऑनलाइन वेबिनार अयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का संचालन सचिव, बिहार थैलेसीमिया पैरेन्टस एसोसिएशन, प्रियंका मिश्रा द्वारा किया गया। डॉ० अविनाश कुमार (रक्त रोग विशेषज्ञ) ऑनलाइन उपस्थित थे। साथ ही डॉ० मीना सामन्त, डॉ० हेमन्त सुष्मिता कुमार, सैंकडो दिव्यांग बच्चे एवं उनके अभिभावकगण, समाजसेवी, विशेषज्ञ आदि अपने-अपने घरो से ऑनलाइन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जागरूकता फैलाना था।

डॉ०अविनाश कुमार ने बताए कि थैलेसीमिया आनुवंशिक रोग होने के कारण इसकी रोकथाम बहुत मुश्किल है, ब्लड टेस्ट के द्वारा इस रोग का पता लगाया जा सकता है। थैलेसीमिया से पीड़ित व्यक्ति की त्वचा हल्की पीली हो जाती है। इस रोग से पिडित मरीज को हेल्दी डाइट देकर कुछ सुधार लाया जा सकता साथ ही अभिभावकों को जागरूक करना भी बहुत जरूरी है।

डॉ० मीना सामन्त, डॉ० हेमन्त ने भी थैलेसिमिया से पिड़ीत लोगों को काफी जानाकारियां दी ।

इस कार्यक्रम के माध्यम से बताया गया कि गया क्या दवा लेना चाहिए कैसे स्वस्थ रहे BMI के बारे बताया गया आयरण चैलेशन दवा के बारे में बताया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलाना।

CHILD CONCERN
RANCHI

इस कार्यक्रम में डॉ० मीना सामन्त, डॉ० हेमन्त, प्रियंका मिश्रा, सुष्मिता कुमारी, काफी बच्चे उनके पेरेंट्स मौजूद थे

10 अक्टूबर 2020

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के लिए रणनितियों को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राष्ट्रीय स्तर वेबिनार का आयोजन

चाईल्ड कन्सर्न स्पर्श के संयुक्त तत्वाधान में आज 10 अक्टूबर 2020 (शनिवार) को दोपहर 12:00 बजे से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के लिए रणनितियों को सुदृढ़ बनाना" विषय पर विडियों कन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन जन-जागरुकता वेबिनार का आयोजन किया किया गया। आज ऑनलाइन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्र यास करना है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करने वाले सभी मनो विषेशज्ञों को उनके काम के बारे में बात करने का अवसर प्रदान करता है, और दुनिया भर के लोगों के लिए मान सिक स्वास्थ्य देखभाल को वास्तविकता बनाने के लिए और क्या करने की आवश्यकता है उस पर अमल करना है। मानसिक विकार से बचने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत आवश्यक है।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, बिहार सरकार) एवं विशिष्ट अतिथि वक्ता डॉ० विनोद भांति (दिव्यांगजन विशेषज्ञ) ऑनलाइन उपस्थित थे। मनोविशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ० कृति (प्रो० मनोविशेषज्ञ, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना), डॉ० स्मीता तिवारी (मनोविशेषज्ञ), सुश्री स्वेता कुमारी (नैदानिक मनोचिकित्सक, गया), डॉ० मनोज कुमार (नैदानि□□क मनोचिकित्सक, चाईल्ड होम,पटना), डॉ० नीरज मिश्रा (लेक्चरर, ऑक्यूपेशनल थेरैपी, सी.आर.सी. देवनगर, कर्नाटक) साथ ही डॉ० राजीव गंगौल (अध्यक्ष,पाटलीपुत्रापैरेंटस एसोसिएशन), सुगन्ध नारायण प्रसाद (चाईल्ड कन्सर्न), साबरा तरन्नुम (फिजियोथैरेपीस्ट, अररिया), अंजनी कुमारी शर्मा (कटिहार), कुमार भारत भुषण (स्पर्श देवघर), नीरंजन कुमार मंडल (स्पर्श, देवघर), एवं सैंकड़ो दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी आदि ऑनलाइन उपस्थित थे।

आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य आयुक्त निशक्ततता (दिव्यांगजन), बिहार सरकार पटना ,बिहार डॉ. शिवाजी कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के बारे में बताया।उन्होनें लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुक होने व इस विषय पर शोध को बढावा देने की जरूरत पर बल दिया। विभिन्न प्रकार के मानसिक समस्या से पीड़ित और उनके परिजनों के हालात पर चिंतन जाहिर करते हुए कहा की समाज को इस दिशा में जागरुक होकर बचपन से ही बच्चों के भीतर उपयुक्त महौल देने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मानसिक मनासिक मजबुति के लिए सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है। इसके लिए मेडिटेशन, योग, व्यायाम से भी रोका जा सकता है।

वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. विनोद भांति ने बताया की पुलिस थाने में भी काउंसलर्स की बहाली होनी चाहिए ताकि अधिकतर मसले कोर्ट- कचहरी का भार कम हो। लोगों को ज्यादा से ज्यादा इस विषय पर चर्चा

CHILD CONCERN RANCHI

करना चाहिए। बताया कि जिस तेजी के साथ लोग उग्र हो रहे एक दिन ऐसा आयेगा कि पूरे भारत वर्ष में मानसिक अवसाद से लोग ग्रसित हो जायेगें। इसके लिए जन-जागरूकता बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. कीर्ति ,एसो.प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग,कॉलेज ऑफ़ कामर्स, आर्ट्स एंड साइंस ,पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने बताया की मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी सभ्य समाज के निर्माण में घातक सिद्ध हो सकता है। इस अवसर पर डॉ. मनोज कुमार, मनोवैज्ञानिक चिकित्सक द्वारा कोरोना काल में बढते मानसिक स्वास्थ्य पर लोगों को जागरूक करते हुए बताया की इस वैश्विक महामारी से बहुत सारे मानसिक समस्या लोगों में देखी जा रही। बच्चे से लेकर बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर उन्होंने बेबाक अपनी राय रखी।उनका कहना था की अभी भी 75% निम्न व मध्यम आर्थिक स्थिति वाले लोगों को उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के बारे में पता नही है यदि इनको इस तरह की कोई समस्याएं घड़ करती हैं तो उनका ईलाज वह नही करा पाते।विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया की पुरे विश्व में आज एक अरब लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से पीड़ित है। विश्व में हर 40 सैंकड में एक व्यक्ति सुसाइड कर रहा।

इस अवसर पर डॉ. स्मिता तिवारी ,पुनर्वास विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिक द्वारा भी सरल व सहज प्रजेंटेशन देकर लोगों को जागरूक किया।इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र स्पेशल चाइल्ड पैरेंटस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव गंगौल द्वारा काफी प्रेरक जागरूक व्याख्यान दिये गये।गया में कार्यरत मनोवैज्ञानिक श्वेता कुमारी द्वारा भी मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयी।इस अवसर पर 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक करने की मुहिम से जुड़ सके।

मनोविशेषज्ञ सुश्री श्वेता कुमारी ने मानसिक स्वास्थ्य विकार से बचने एवं इससे बचने के तरीकों को और सुदृढ़ करने पर विस्तृत जानकारी दिये। इन्होंने बताया कि मनुष्य को सकारात्मक विचार ही मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। कोविड 19 में बहुत सारे लोग मानसिक अवसाद से घिरे हुए हैं उन्हे जागरूक करना एवं उनमें सकारात्मक सोच प्रदान करना बहुत जरूरी है। सभी ने मानसकि स्वास्थ पर पुछे गयें सावालों का भी जवाब दिया।

आज के ऑनलाइन कार्यक्रम में लगभग 200 मनोविशेषज्ञ, प्रोफेशनल, खिलाड़ी, दिव्यागजन, अभिभावकगण, समाजसेवी, लोग ऑनलाईन जुड़े हुए थे सभी ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति दिये गये जानकारी को काफी सराहना की एवं बताया इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिए।

18 फरवरी 2021

दिव्यांगजन अधिकार अधिनि□यम 2016 विषय पर भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त तीन दिवसीय सी.आर.ई (सतत पुनर्वास शिक्षा) राष्ट्रीय स्तर वेबीनार का आयोजन

CHILD CONCERN RANCHI

चाईल्ड कन्सर्न एवं स्पर्श विशेष विद्यालय सह विशेष टीचर्स ट्रेनि०ग संस्थान देवघर झारखण्ड के तत्वाधान में भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त "दिव्यांगजन अधिकार अधिनि०यम (आर.पी.डब्ल्यू. डी.) एक्ट-2016" विषय पर आज दिनांक 18 फरवरी 2021 को सुबह 11 बजे से ऑनलाइन तीन दिवसीय सी.आर.ई. (सतत पुनर्वास शिक्षा) राष्ट्रीय स्तर वेबीनार का शुभारम्भ किया गया। यह वेबीनार 20 फरवरी 2021 तक चलेगी। इस कार्यक्रम का आयोजन कराने का मुख्य उद्देश्य आर.सी.आई. से रजि० प्रोफेशनल, विशेष शिक्षक, दिव्यांगजन विशेषज्ञ को समय समय पर उनके ज्ञान का उन्नयन करना है। आज के वेबीनार के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि०:शक्तता, बिहार सरकार) ऑनलाइन मौजुद थे। विशिष्टें अतिथि श्री शशि रंजन प्रसाद सिंह, रिटा० भा०प्रा०से० (अध्यक्ष चाईल्ड कन्सर्न, रांची), डॉ० ऋतु रंजन (समाज सेवी एवं मानवाधिकार के लिए कार्यरत), श्रमति उषा मनाकी (प्रोफेशनल), श्रमति मधु श्रीवास्तवा (अधिवक्ता), संतोष कुमार सिन्हा (समाजसेवी), श्री सुगन्ध नारायण प्रसाद (को-ऑर्डिनेटर), संदीप कुमार (दिव्यांगजन विशेषज्ञ) साथ रिसोर्स पर्शन श्री शिव कुमार बैठा (प्रोफेशनल), कुमार भारत भुषण (प्रोफेशनल), निरंजन कुमार (प्रोफेशनल), सुलेखा कुमारी (प्रोफेशनल) एवं 50 से अधिक प्रोफेशनल, विशेष शिक्षक, रिसोर्स पर्सन, डॉक्टर, दिव्यांगजन विशेषज्ञ ऑनलाइन उपस्थित थे। आज के वेबीनार में दिव्यांगजन अधिकार अधिनि०म 2016 में प्रदत 21 प्रकार के दिव्यांगता के बारे में बताया गया।

आज के वेबीनार के मुख्य अतिथि डॉ० शिवाजी कुमार (राज्य आयुक्त नि०:शक्तता, बिहार सरकार) ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनि०यम 2016 में वर्णित सभी 21 प्रकार की दिव्यांगता के बारे में जानकारी दिए एवं दिव्यांगजनों के लिए सरकार द्वारा प्रदत योजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दिए।

डॉ० ऋतु रंजन ने बताया कि दिव्यांगजनों को दिव्यांगजन अधिकार अधिनि०म 2016 में विशेष अधिकार प्रदत किया गया है। उन्हे स्वावलंबी बनाना एवं समाज के मुख्यधारा से जोड़ना हमारा कर्तव्य है।

श्रीमति उषा मनाकी ने बताया कि आर.पी.डब्ल्यू.डी. एक्ट 2016 में दिव्यांगजनों के लिए प्रदत अधिकार एवं उन्हें योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। अभी बहुत सारे ऐसे दिव्यांग हैं जिनको योजनाओं के बारे में पता नहीं है। उन्हें जागरूक करना है।

कुमार भारत भूषण ने बच्चों में संज्ञानात्मक विकास एवं प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दिये।

आज के वेबीनारमें दिप्ती श्रीवास्तव, मिनाक्षी सिंह, इमाम, जितेन्द्र कुमार, नवीन कुमार, बाल्मिकी कुमार, कुमारी सपना, हेमन्ती कुमारी, प्रिती कुमारी, राहुल कुमार, राज मनी, राकेश पाल, रामाशंकर कुमार, राजी झा, संजीव मंडल, शशी कुमार, सिंह कुमारी पिंकी रानी, सुबोधकान्त, सुदीप कुमार, सुमन्त

CHILD CONCERN RANCHI

मंडल, अस्जाद जमाल आदि ऑनलाइन उपस्थित थे। यह वेबीनार कल दिनांक 19 फरवरी 2021 को सुबह 11 बजे से जारी रहेगा।

आज के वबीनार का संचालन संदीप कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन सुगन्ध नारायण प्रसाद द्वारा किया गया

CHILD CONCERN RANCHI

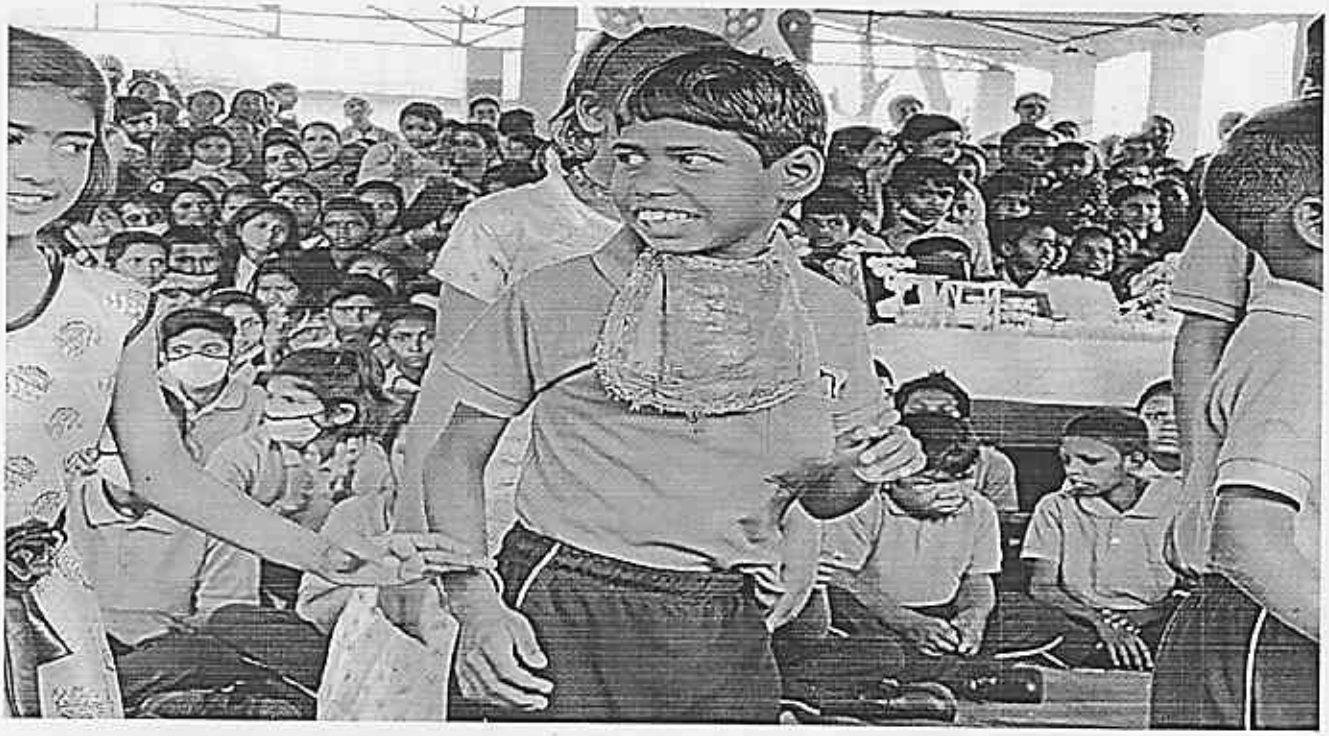

*****

CHILD CONCERN, 1B, Subh Gauri Enclaves, Budh Vihar Colon, Argora Bypass, Harmu, Ranchi-834002 (Jharkhand)
Ph.: 0651-2244946, Mob. : 9097968279, 9472162409
E-mail : childconcern.jharkhand@gmail.com, childconcern_jharkhand@rediffmail.com,
Web.: www.childconcern-jharkhand.org

CHILD CONCERN RANCHI